(ख) इस विषय के महत्व को स्वीकार करते हुये, पर्यटन विभाग ने वन्य जीव पर्यटन के विकास के लिए एक 'सेल' स्थापित किया है, तथा सम्बन्द्ध राज्य सरकारों के सहयोग से चुने हुये राष्ट्रीय उद्यानों और शरण-स्थानों में आवास तथा परिवहन सम्बन्धी सुविधाओं की भी व्यवस्था की जायेगी।

पाकिस्तान के लिए जासूसी

3685. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री राम गोपाल शालवाले :

क्या गृहकार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 30 दिसम्बर, 1969 के 'वीर अर्जुन' में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि दिल्ली की एक नर्तकी तथा अपने आपको जगदीश कहलाने वाला एक पाकिस्तानी नागरिक पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त नर्तकी की एक बहन अचानक पाकिस्तान चली गई है और इस नर्तकी ने केन्द्रीय सरकार के कई अधिकारियों से सांठगांठ कर रखी है ; और

(ग) यदि हाँ, तो इस संबन्ध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी हाँ, श्रीमान्।

(ख) और (ग). उपलब्ध सूचना के अनुसार अब्दुल हकीम उर्फ जगदीश नामक एक व्यक्ति पर विदेशियों के लिए अधिनियम के अधीन अपराध करने हेतु 1964 में मुकदमा चलाया जा रहा था। मुकदमें के दौरान वह जमानत तोड़ कर भाग गया और तब से फरार है। उसे 25 जून 1965 को फरार घोषित किया गया। यह संदेह है कि वह बच कर पाकिस्तान चला गया है। यह भी सन्देह किया जाता है कि पेशेवर नाचने वाली एक लड़की के साथ उसकी मित्रता थी और वह भी उसके साथ पाकिस्तान चली गई है। अब्दुल हकीम पर शासकीय भेद अधिनियम के अधीन कोई अपराध करने का सन्देह नहीं था। सरकार को इस संबन्ध में किसी सरकारी कर्मचारी की कथित सहअपराधिता के बारे में कोई सूचना नहीं है।

मासिक पत्रिका "यात्री" के प्रकाशन में विलम्ब

3686. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :** क्या पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनका मंत्रालय 'यात्री' नामक एक मासिक पत्रिका प्रकाशित करता है ;

(ख) यदि हाँ, तो क्या यह भी सच है कि यह पत्रिका प्रायः तीन-तीन महीने देर से प्रकाशित की जाती है ; और

(ग) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण है ?

पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री : (डा० कर्ण सिंह) : (क) जी, हाँ।

(ख) और (ग). सम्पादकों में परिवर्तन होने के परिणामस्वरूप कार्य में बाधा पड़ने से पिछले वर्ष कुछ अंकों के प्रकाशन में प्रायः तीन महीने तक की देरी हो गई। परन्तु, अब पत्रिका नियमित रूप से निकलनी सुरू हो गयी है।

मध्य प्रदेश की अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के विद्यार्थियों को विदेशों में अध्ययन के लिये छात्रवृत्तियाँ

3688. **श्री गं० चं० दीक्षित :** क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्ष 1969-70 में विदेशों में अध्ययन के हेतु छात्रवृति देने के लिए मध्य प्रदेश में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के कुछ छात्रों का अन्तिम रूप से चयन कर लिया है ;

(ख) यदि हाँ, तो इसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?